



वर्ष-2020
माध्यमिक शिक्षा मण्डल, मध्यप्रदेश, भोपाल

24 पृष्ठीय

परीक्षार्थी द्वारा भरा जाये ↓

विषय का विषय विषय कोड परीक्षा का माध्यम
विज्ञान के तहत 63 1 8007

स्टीकर वीर के नियम ↓ से मिलाकर लगायें

परीक्षार्थी द्वारा भरा जाये

माध्यमिक शिक्षा मण्डल, मध्य प्रदेश
BOARD OF SECONDARY EDUCATION, MADHYA PRADESH
320-0434277
परीक्षार्थी का रोल नम्बर
201632187
MADESHBOPAL
MADHYA PRADESH
BOARD OF SECONDARY EDUCATION, MADHYA PRADESH, BHOPAL

केवल परीक्षक द्वारा भरा जाये।

प्रश्न क्रमांक	प्रश्न क्रमांक	पृष्ठ क्रमांक	प्राप्तांक (अंकों में)
1			
2			
3			
4			
5			
6			
7			
8			
9			
10			
11			
12			
13			
14			
15			
16			
17			
18			
19			
20			
21			
22			
23			
24			
25			
26			
27			
28			
कुल प्राप्तांक			Fifty

केन्द्राध्यक्ष/सहायक केन्द्राध्यक्ष एवं परीक्षक द्वारा भरा जाये

क :- पूरक उत्तर पुस्तिकाओं की संख्या अंकों में शब्दों में

ख :- परीक्षार्थी का कक्ष क्रमांक

ग :- परीक्षा का दिनांक

परीक्षा का नाम एवं परीक्षा केंद्र क्रमांक की मुद्रा
हायर सेकेण्डरी परीक्षा C.N.-161103

पर्यवेक्षक का नाम एवं हस्ताक्षर: नीलेश गुप्ता
केन्द्राध्यक्ष/सहायक केन्द्राध्यक्ष के हस्ताक्षर:

परीक्षक एवं उपमुख्य परीक्षक द्वारा भरा जाये

प्रमाणित किया जाता है कि मूल्यांकन के समय पूरक उत्तर पुस्तिकाओं की संख्या उपरोक्तानुसार सही पाई हो। क्राफ्ट स्टीकर क्षतिग्रस्त नहीं पाया गया तथा अन्दर के पृष्ठों के अनुरूप मुख्य पृष्ठ पर अंकों की प्रविष्टि एवं अंकों का योग सही है।

निर्धारित मुद्रा : नाम, पदनाम, मोबाईल नम्बर, परीक्षक क्रमांक एवं पदांकित संस्था के नाम की मुद्रा लगाएं।

उप मुख्य परीक्षक के हस्ताक्षर एवं निर्धारित मुद्रा:
परीक्षक के हस्ताक्षर एवं निर्धारित मुद्रा:

S.K. Kanuda
Sd/- 001-2019
Dr. Pramod Verma
V No.-015650

नोट :- "हायर सेकेण्डरी परीक्षा में केवल वाणिज्य संकाय के विषयों तथा हाईस्कूल परीक्षा में प्रायोगिक विषय को छोड़कर शेष विषयों हेतु नियमित एवं स्वाध्यायी छात्रों के लिये प्रश्न पत्र 100 अंकों का होगा किन्तु नियमित छात्रों को 100 अंक के प्राप्तांक का 80% अधिभार एवं स्वाध्यायी छात्रों को 100 अंक के प्राप्तांक ही अंकसूची में प्रदर्शित किये जायेंगे।"

de'imat

Laser/Inkjet/Copier Label A4ST-16 99 1x33 9mmx16



प्रश्न क्र.

प्रश्न क्रमांक = 1

उ०

(1) अदीप्त ✓

(2) दी ✓

(3) ~~इसका~~ वेग ✓

किलीवाट घंटा जूल ✓

$$(4) \text{ शक्ति (P) = } \frac{\text{कार्य (W)}}{\text{समय (t)}} \quad \checkmark$$

S

E

प्रश्न क्रमांक = 2

उ०

(1) प्रमाणित विलयन ✓

(2) परिवेषण अकटित कणी ✓

(3) आर्सेनिक ✓

(4) ~~त्रयणात्मक~~ उल्लेख विंश उल्लेख

(5) त्रयणात्मक उल्लेख

(5) डिप्लोमा कस न्यूमौजी +



के अंक

अंक

उत्तर क्रमांक = 3

- (1) मैग्नीशियम की mg
- (2) ही प्रकार का
- (3) बिलिजम द्यूबोसम
- (4) बैक्सिक उमल

B डा ही +

उत्तर क्रमांक = 4

- | | |
|---------------------------------|--|
| (1) सरसो | फूसी फेरी |
| (2) पुकासा संरलैषण | जीवित - क्रिया कार्विज्ड ऑक्सिड |
| (3) वायुत्वसर्जि | जीवित क्रिया - बलीमैर |
| (4) कौशिका इत्य | जीवाणु कौशिका |
| (5) उला इको लिक्सिवा | ब. वी. पी |



प्रश्न क्र.

प्रश्न क्रमांक = 5

क) परिभाषा :-

आश्वासनी स्वीकृति की आश्वासनी को प्राप्त किया जा सकता है। इसी आश्वासनी को प्राप्त नहीं किया जा सकता। इसमें वस्तु का प्रतिबिम्ब स्पष्ट दिखाई नहीं देता। इसमें वस्तु का प्रतिबिम्ब स्पष्ट दिखाई देता है। इसी पर प्राप्त किया जाता है। इसी पर प्राप्त नहीं किया जा सकता है।

**B
S
E**

प्रश्न क्रमांक = 6

यह विलयन जिनका क्रियाकारी आयतन रात कहकर अर्थात् पराश्रित वि गणना कर लेते हैं यह क्रिया अनुमापन कहलाती है।

अनुमापन मुख्यता ही उकार के होते हैं।

- (क) अठलमिति एवं शर मिति अनुमापन
- (ख) औपसंकरण उपयाम अनुमापन



प्रश्न क्र.

उत्तर क्रमांक = 7

उ) उद्येक के लक्षण निम्न प्रकार के हैं-

क) यह क्रिया को प्रारम्भ नहीं करते प्रकृत गति को इत की प्रभावित करते हैं।

ख) यह उद्येक की क्रियाशीलता उच्च ताप पर समाप्त की जाती है।

ब) उद्येक की सूक्ष्म मात्रा क्रिया को प्रारम्भ करने के लिए पर्याप्त होती है।

स) पराधीनता किर्णों द्वारा उद्येक की क्रियाशीलता समाप्त की जाती है।

न) ती उद्येक प्रारम्भ करते हैं न ही समाप्त है।

द) उद्येक की क्रियाशीलता उच्च ताप पर समाप्त की जाती है।



प्रश्न क्र.

उत्तर क्रमांक - ५१

उ०

प्रकाश के परावर्तन के मुख्य कानून दो निम्न होते हैं :-

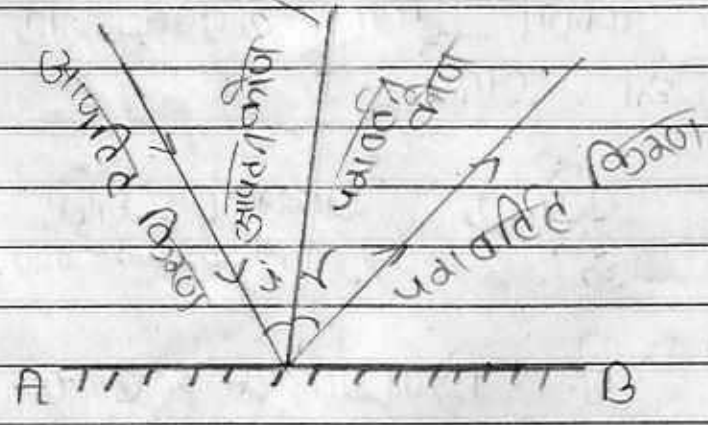
(क) आपतन कोण का मान सर्वत्र परावर्तन कोण के बराबर होता है।

(ख) आपतित किरण और अभिलम्ब तल में स्थित होती हैं। परावर्तित किरण तभी एक ही तल में स्थित होती है।

**B
S
E**

अभिलम्ब

उत्तर क्रमांक - ५२



चित्र :- प्रकाश का परावर्तन



उद्योग क्रमांक = ५०

उद्योग क्रमांक = ५०	ऑक्सीकरण	अनॉक्सीकरण
(५) इस क्रिया में ऑक्सीजन की आवश्यकता होती है।	इस क्रिया में ऑक्सीजन की कोई आवश्यकता नहीं होती।	
(६) इस क्रिया में प्रति उत्पाद H_2O और CO_2 बनते हैं।	इस क्रिया में अंतिम उत्पाद CO_2 और बल्की बनते हैं।	
इस क्रिया में प्रेशर यंत्र कि उद्योग चलता है।	इस क्रिया में प्रेशर यंत्र कि उद्योग नहीं चलता है।	
इस क्रिया में २४ A.T.P. उपलब्ध वा निर्माण होता है।	इस क्रिया में २ A.T.P. उपलब्ध वा निर्माण होता है।	



प्रश्न क्र.

उत्तर क्रमांक=२२

अ)

युग्मक के निम्नलिखित गुण हैं-

(क) युग्मक युग्मकिय परावर्ती में वेरण द्वारा युग्मकत उपन्न करते हैं।

(ख) युग्मक की स्वतन्त्रता स्वतन्त्रता पूर्वक लटकाने पर वह हमेशा उत्तर दक्षिण दिशा में उड़ती है।

B

S

E

(क) युग्मक के समान ध्रुवी में उत्कर्षण व असमान ध्रुवी में आकर्षण होता है।

(ख) युग्मक युग्मकिय परावर्ती को अपनी ओर आकर्षित करते हैं।

5) युग्मक परावर्ती, अपवर्ती उच्छिन्न होती घटनाय उपन्न करते हैं।

6) हवा या जल में लम्बाई 3.10⁸ मीटर / सेकण्ड होती है।



प्रश्न क्र.

उत्तर क्रमांक = 23

उ० कौलहडो का शैक्षिक जीवन में उपयोग -

अ० औषधिया बनाने में :-

अधिकंश औषधिया कौलहड अवस्था में पाई जाती हैं। क्योकि इस अवस्था में ये आसानी से पथ जाते हैं। कौलहड अवस्था में औषधिया जल्दी से अपना लभाव देता है।

B (क) साबुन से कपड़े साफ करने में :-

S जल में घोलने पर वह कौलहड
E विलयन बनाता है। और फिर उस घोल में कपड़े डालने पर वह पारसी करण क्रिया के द्वारा घूल एवं जल के कणों की अपनी और अवशोषित कर लेते हैं। और कपड़े साफ हो जाते हैं।

उ० सौन्दर्य प्रसाधन में :-

सौन्दर्य प्रसाधन कि वस्तुएं कौलहड अवस्था में पाई जाती हैं जैसे, केशवर्धक, सैबिंग क्रिम, सैंट आदि सौन्दर्य प्रसाधन कि वस्तुएं कौलहड अवस्था में पाई जाती हैं।

प्रश्न क्र.

(घ) जल के शुद्धिकरण में :-

प्राकृतिक बूनी
 में घट्ट जल में घूल एवं मिट्टी के
 कण कोलॉइड अवस्था में पकड़ कर
 जाते हैं। अतः जल में फिटकरी
 मिलाने पर अशुद्धियाँ अकृत्रिम कोफ्ट
 नीचे बैठ जाती हैं इस प्रकार जल
 शुद्ध हो जाता है।

(ज) खर उद्योग में :-

B
S

खर में उपस्थित बाक्सा
 कोलॉइड कोलॉइड अवस्था में पाई
 जाती है। इसे अकृत्रिम कर खर
 का निर्माण किया जाता है।
 "हमारे दैनिक जीवन
 में कोलॉइड का महत्वपूर्ण उपयोग है।"



प्रश्न क्र.

उत्तर क्रमांक = 19

उ०

३

z = सोडियम कार्बोनेट

रासायनिक सूत्र — $MgCO_3$

उपयोग :- (1) कार्बनिक यौगिक बनाने में।
 (2) कपड़े धोने में।
 (3) उपयोगशाला में अम्लकर्मि के रूप में।

ब। सोडियम कार्बोनेट

रासायनिक सूत्र → $MgO + MgCO_3$

उपयोग :-

- ३
- (1) कार्बोनेट बनाने में एवं गीरा बनाने में।
 - (2) दंतों के खोखले गठन करने में।
 - (3) चिताली की खाई पुतई में।



प्रश्न क्र.

पुस्तक क्रमांक = 15

उ) रोग जीवाणुओं के नाम

अ) विषिगो
ब) डेंगु विषिगो की लक्षण

क) ठण्णुमीनिधा डिप्लीकी कस ठण्णुमीनी

ड) टी. टी. माकफ्रीटीपटीरियम एडुवखलेरि

B (घ) वायफाड्ड क्वालमीनीला रकफी

S (च) रीचिअ सिरीला डिसेन्डी

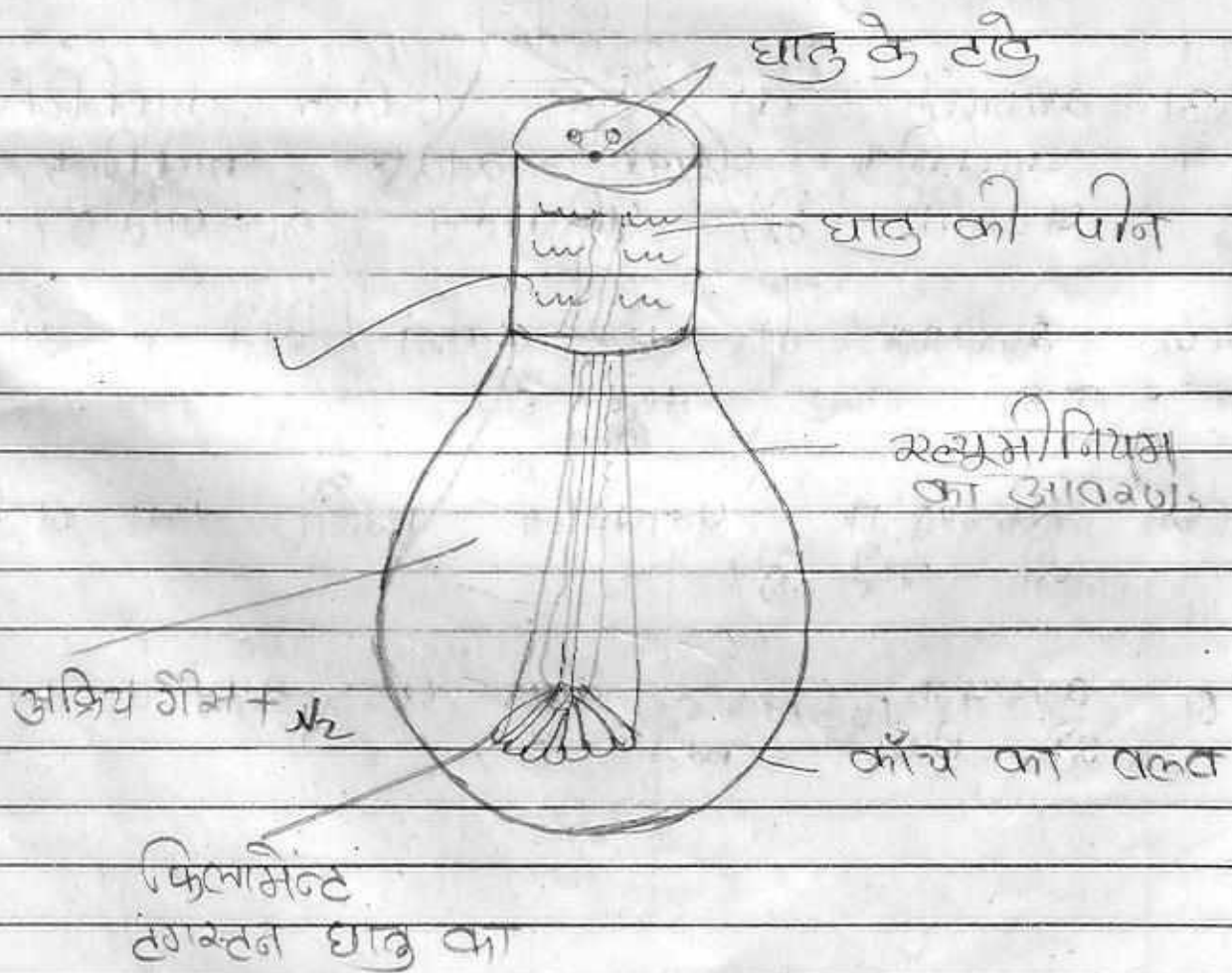
E



पृष्ठ क्रमांक = 26

30

B
S
E



चित्र: विद्युत बल्ब

प्रश्न क्र.

प्रश्न क्रमांक = 9

अणुसंश्लेषण की विशेषता निम्न प्रकार हैं -

(1) अणुसंश्लेषण अधिक ताप पर विपक्रिय की जाती है।

(2) अणुसंश्लेषण स्वयं उल्लेख का काम करने लगती है।

(3) अणुसंश्लेषण में कार्बनिक पदार्थों का कार्बनिक पदार्थों में परिवर्तित हो जाता है।

B**C**

अणुसंश्लेषण न ही उत्पन्न होते हैं और न ही नष्ट होते हैं।

(4) अणुसंश्लेषण में परमाणु कणों का नष्ट हो जाता है।

(5) अणुसंश्लेषण 10-100°C ताप पर सामान्य रूप से किया करते हैं।



प्रश्न क्र.

प्रश्न क्रमांक = 18

30 वाष्पीकरण	वाष्पीकरण
(अ) यह क्रिया सूर्य के प्रकाश पर निर्भर करती है।	इस क्रिया में सूर्य के प्रकाश की कोई आवश्यकता नहीं होती।
(ब) यह एक जैविक क्रिया है।	यह एक भौतिक क्रिया है।
B S E (उ) इस क्रिया पौधों का ताप एक समान बना रहता है।	इस क्रिया में पौधों का ताप एक समान नहीं रहता।
(घ) इस क्रिया में जल वाष्प के रूप में पौधों के वाष्पित भागों से बाष्प के रूप में निकलता है।	इस क्रिया में जल किसी भी जगह से जल वाष्प के रूप में निकल जाता है।
(ङ) यह क्रिया पौधों की संतुष्टि को बढ़ाने से बचाता है।	यह क्रिया पौधों की संतुष्टि को सुखा देती है।
(6) यह क्रिया सभी में होती है। सर्प और निजीव दोनों में होती है।	यह क्रिया कुछ पौधों या विशेष प्रकार के ऊतकों में होती है।



पृष्ठ क्र.

प्रश्न क्रमांक = 8

30

विद्युत धारा का कुछ अमीय प्रभाव : किसे

**B
S
E**

चालक पदार्थ में विद्युत धारा
 प्रवाहित करने पर उष्मा उत्पन्न
 होती है और चालक पदार्थ
 गर्म हो जाता है और गर्म
 होकर बहुत उष्मा छोड़ता है यद्यु
 क्रिया विद्युत धारा का अमीय प्रभाव
 वाशलाती है। आधुनिक युग में
 हम विद्युत धारा के प्रभाव पर
 आश्रित अनेक वस्तुओं का उपयोग
 करते हैं। जैसे - विद्युत, ऐसु, विद्युत
 छिटर, आदि उष्मा का है।
 वस्त्रित है।



प्रश्न क्र.

प्रश्न क्रमांक = 17

कुल :- ^{का} नीम नीम का वणनि मिलियेगी

वातस्पतिक नाम :- बेजिरेप्ट इण्डिका
वणनि :-

यह पृष्ठ लगभग 10 फुट ऊंचा होता है
यह भारत के सभी क्षेत्रों में पाया
जाता है। नमक बहुत लवणवर्षि पीछा है।

उपयोग :-

- 1) इसकी पत्तियों का उपयोग लुहार जैसे दूर करने में किया जाता है।
- 2) इसकी पतली तहनियों का उपयोग रातों की साथ करने में किया जाता है।
- 3) नीम के बीज से तेल निकलता है जिसका उपयोग चर्मरोगों में किया जाता है।

(ब) तुलसी का वणनि

कुल :- लेविचैरी

वातस्पतिक नाम :- ऑस्मिगम कैप्टम

वणनि :-

यह दक्षिण अमेरिका का मुख्य निवासी है यह बहुत लवणवर्षि पीछा है।

B
S
E



प्रश्न क्र.

भारत में देरी के रूप में धना जाता है।

उपयोग:-

(प्र) इसकी पहिली का उपयो वास्ती जुषाम के अघार मे क्रिया जाता है।

(बि) तुलसी की पहिली का उपयोग यादवत स्मरण शक्ति की रोज करने मे क्रिया जाता है।

**B
S
E**

(अ) इसकी लडो का उपयोग विच्छु अरुं साँप के लडर की काम करने मे क्रिया जाता है।

(अ) पुष्प अरुव का वणनि कुल :- जीन्जीवर

वाजर-पतिक नाम :- जीन्जीवर ऑफीसीनेलिम-वणनि:-

यह अरु कडुवास्ति पीछा है इसकी बेल अमी बाज्यो मे क्रिया जाता है।

उपयोग:- (अ) अरुव का उपयोग पैटर्ड पैतन आदि मे क्रिया जाता है।

(बि) इसका उपयोग मसाले के रूप मे क्रिया जाता है।



प्रश्न क्र.

(4) अदरक

(क) पुदिना का वर्णन
पुदिना लेवि यती पुल का पौधा है पुदिने
के वैश्व भारत के अधिकांश जगहों में
वि जाते हैं।

उपयोग :-

(अ) यह एक बहुवर्षीय पौधा है इसका
उपयोग सब्जी के रूप में किया जाता है।

B
S
E

(ब) इसका उपयोग चाय में किया जाता
अदरक को पत्तों में आती में को जकड़
जुल जाते हैं।

5- आवंला का वर्णन

आवले का पत्र 10 से 20 फुट ऊंचा होता है
इसका वैश्व भारत में सर्वाधिक मात्रा में
वि जाते हैं।

उपयोग :-

(अ) आवले के फल को पत्तों में यह
विटामिन C का स्रोत है।
रक्तवाही रोग दूर करता है।

(ब) आवंले फल अत्रिकला यूनान बनता है
जो कठोर को दूर करने में काम
आता है।



BOARD OF SECONDARY EDUCATION, MADHYA PRADESH

प्रश्न क्र.

प्रश्न क्रमांक = 4

क)

अ) सारसों

- फूँसफिरी

ब) उकाशा संरक्षण

- कार्बन डायऑक्साइड

ग) वाष्पीकरण

- स्टीमिंग

द)

घ) कृषि का स्व

- जीवाणु कृषि

इ)

गण्डकी लिखित

- अ. टी. पी

ES

